

213899
ई पत्र संख्या- /XV-I/24/4(12)22/31871

प्रेषक,

रवनीत चीमा,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

पशुपालन विभाग,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-01

देहरादून : दिनांक 28 मई, 2024।

विषय : श्री केदारनाथ एवं हेमकुण्ड यात्रा मार्ग पर अश्ववंशीय पशुओं के संचालन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 483 ukd.AWB(1518)/2024-25 दिनांक: 07.05.2024 के क्रम में श्री केदारनाथ एवं हेमकुण्ड यात्रा मार्ग पर अश्ववंशीय पशुओं के संचालन हेतु पूर्व में निर्गत शासनादेश संख्या: 775/XV-I/23/4(12)22 दिनांक: 01.05.2023 को अवक्रमित करते हुए निम्नवत् मानक संचालन प्रक्रिया का निर्धारण किया जाता है:-

1. यात्रा मार्ग पर उपयोग में लाये जाने वाले समस्त अश्ववंशीय पशुओं का पंजीकरण होना अनिवार्य है। पंजीकरण हेतु पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण पशुपालन विभाग अथवा जिला प्रशासन द्वारा नामित पशुचिकित्सक द्वारा किया जायेगा। पशुस्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पशु के पहचान चिन्हीकरण हेतु पशु के कान में टैग अथवा जैसा भी जिला प्रशासन द्वारा निहित किया जाय उसका पालन किया जायेगा। जिला पंचायत द्वारा अश्ववंशीय पशुओं का पंजीकरण कराया जायेगा एवं समस्त रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जायेगा। जिसका समस्त रिकॉर्ड समुचित माध्यम से यात्रा ट्रैक पर उपस्थित समस्त सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को उपलब्ध कराया जा सकेगा।
2. स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान पशु का ग्लैण्डर परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जायेगा। ग्लैण्डर परीक्षण रिपोर्ट नेगेटिव आने के उपरान्त ही पशु का पंजीकरण वैध माना जायेगा।
3. मा० उच्च न्यायालय नैनीताल के निर्देशानुसार उत्तराखण्ड पशुकल्याण बोर्ड द्वारा की गयी यात्रा मार्ग की जांच के अनुरूप केदारनाथ मार्ग पर (20 किमी दूरी) पशु हानि की आशंका के निवारण हेतु अधिकतम 5000 अश्ववंशीय पशु (जिसमें से 4000 यात्रियों हेतु एवं 1000 समान ढुलान हेतु - आना एवं जाना) एवं श्री हेमकुण्ड साहिब यात्रामार्ग पर प्रति किलोमीटर अधिकतम 70 अश्ववंशीय पशुओं (कुल 15 कि०मी० की दूरी हेतु 1,050 अश्ववंशीय पशु) की अधिकतम धारिता क्षमता निर्धारित की जाती है।
4. यात्रा मार्ग पर अश्ववंशीय पशु को साफ एवं गुनगुना पानी उपलब्ध कराया जायेगा व पशुस्वामी द्वारा स्वयं के व्यय पर चारे व इलैक्टोलाइट पिलाने की व्यवस्था रखी जायेगी, जिससे अधिक चढ़ाई वाले स्थानों पर पशुओं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से बचा जा सकेगा।

5. अश्ववंशीय पशुओं के ऊपर प्रयोग में लाये जाने वाली काठी हल्की एवं काठी के नीचे एक मोटे कम्बल का प्रयोग किया जाना अनिवार्य है, जिससे पशु के शरीर पर काठी से घाव न बन पाये। यात्रा प्रारम्भ से पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण के समय काठी उतारकर पशु स्वास्थ्य परीक्षण कर लिया जाय कि, पशु के शरीर पर कोई घाव न हो, वह लंगड़ाकर न चल रहा हो व अस्वस्थ प्रतीत न हो रहा हो। यात्रा के दौरान एक अश्ववंशीय पशु को प्रतिदिन एक ही टोकन निर्गत किया जायेगा जो कि पूर्ण एक चक्कर (आना एवं जाना) हेतु मान्य होगा।
6. केदारनाथ यात्रा के दौरान अश्ववंशीय पशुओं के संचालन हेतु पशुस्वामी द्वारा लाइसेंस प्राप्त करने के उपरान्त यदि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत दोषी पाए जाते हैं तो उनका लाइसेंस, लाइसेंस निर्गत करने वाली संस्था के माध्यम से रद्द करने की संस्तुति की जायेगी।
7. यदि किसी लाइसेंसधारी पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत अपराध का आरोप लगाया जाता है, तो उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा और उसका लाइसेंस मुकदमे की अवधि के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। मुकदमे के निपटारे पर यदि लाइसेंसधारी बरी हो जाता है, तो उसके अश्ववंशीय पशुओं का पुनः स्वास्थ्य परीक्षण किये जाने के उपरान्त यात्रा मार्ग पर प्रयोग में लाया जा सकेगा।
8. इस नीति के तहत ब्लैकलिस्ट किए गए सभी व्यक्तियों की पूरी सूची, टोकन देने वाली ऐजन्सी के माध्यम से पुलिस विभाग, सम्बन्धित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, Mule Task Force, जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होगा।
9. टोकन प्रदान करने के लिए कार्यान्वयन एजेंसी और Mule Task Force व अन्य सभी सम्बन्धित यह सुनिश्चित करेंगे कि इस नीति के अंतर्गत ब्लैकलिस्ट में डाला गया कोई भी व्यक्ति यात्रा मार्ग पर घोड़े न चला रहा हो।
10. बारिश ओलावृष्टि, बर्फ गिरने पर अश्ववंशीय पशुओं का संचालन प्रतिबंधित किया जा सकेगा। यात्रा मार्ग पर वर्षा व ओलावृष्टि होने पर पशुस्वामी द्वारा अश्ववंशीय पशुओं को शेड में रोककर खड़ा किया जायेगा। पशुओं पर किसी भी प्रकार की बाहरी सजावट साज-सज्जा किया जाना प्रतिबन्धित होगा।
11. निम्नलिखित गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबन्धित होगी :-
 - पशु पर निर्धारित क्षमता से अधिक वजन लादना।
 - घायल अथवा बीमार प्रतीत हो रहे पशु से कार्य कराना।
 - पशु के मुँह के अन्दर नुकीली बीट डालकर चलाना।
 - पशु को यात्रा मार्ग पर तेज गति से दौड़ाना जिससे पैदल यात्रियों को असुविधा हो।
 - पशु को मारना, पीटना व दागना।
 - बिना टोकन व पंजीकरण के पशु का यात्रा मार्ग पर संचालन।
 - मृत पशु के शरीर को लावारिस छोड़ना।
 - पशु के ईयर टैग व माइक्रोचिप के साथ छेड़खानी करना।
12. अश्ववंशीय पशुओं के मल-मूत्र के कारण उत्पन्न हो रही समस्या के निदान हेतु समुचित सफाई व्यवस्था की जाये, जिससे यात्रा मार्ग पर हो रही गन्दगी की समस्या का निवारण किया जा सके।
13. यात्रा में प्रयोग में लाये जा रहे अश्ववंशीय पशुओं हेतु दाने एवं चारे की व्यवस्था

यात्रा मार्ग पर निर्धारित स्थानों पर किया जाना उचित होगा। जिन संस्थाओं अथवा व्यक्तिगत विक्रेताओं द्वारा यात्रा मार्ग अथवा आस-पास पशुओं हेतु चारा एवं दाना का व्यापार अथवा निःशुल्क वितरण किया जा रहा हो, पशुपालन विभाग को अधिकार होगा कि वह विक्रय योग्य सामग्री का औचक निरीक्षण/जांच कर सकेंगे और यदि आवश्यकता हो तो नियमानुसार सैम्पलिंग भी कर सकेंगे।

14. यात्रा मार्ग पर संचालित पशुचिकित्सालयों में चिकित्सा हेतु आये समस्त अश्ववंशीय पशुओं हेतु चिकित्सा रजिस्टर का अभिलेखीकरण किया जायेगा व चिकित्सा के दौरान आये पशु यदि कार्य करने योग्य नहीं है तो पशुचिकित्सक द्वारा टोकन प्रदान करने वाली संस्था अथवा कन्ट्रोल रूम को उनके ईयर टैग नं० से अवगत कराया जायेगा एवं सम्बन्धित द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि जिन पशुओं को ईयर टैग नं० से अवगत कराया गया है उन अश्ववंशीय पशु को स्वस्थ हो जाने तक यात्रा में प्रयोग नहीं किया जायेगा।
15. यात्रा मार्ग पर अश्ववंशीय पशुओं की मृत्यु की दशा में अतिशीघ्रता से मृत अश्ववंशीय पशुओं का शवविच्छेदन रिपोर्ट पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्गत किये जाने के उपरान्त कार्यदायी संस्था के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया द्वारा चिन्हित भूमि पर शवनिस्तारण किया जाना होगा। मृत अश्ववंशीय पशु के देह को Body bag में ढक कर रखा जायेगा।
16. यदि प्रारम्भिक नियमित जांच में कोई मादा अश्ववंशीय पशु गर्भवती पायी जाती है तो उसे यात्रा मार्ग पर संचालित न किया जाय।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त मानक संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

भवदीया,

Signed by Ravneet Cheema

Date: 28-05-2024 13:32:32

(रवनीत चीमा)

अपर सचिव।

213899

ई संख्या: /XV-1/ 24 / 4(12)22 / 31871तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. वरिष्ठ निजी सचिव, मा० पशुपालन मंत्री उत्तराखण्ड शासन को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाँऊ, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. अपर निदेशक, सूचना महानिदेशालय।
5. अपर निदेशक, पशुपालन, गढ़वाल/कुमाँऊ, उत्तराखण्ड।
6. समस्त, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

Signed by Mahaveer Singh
Pamaar

Date: 28-05-2024 15:33:26

13899/2024

(महावीर सिंह परमार)
उप सचिव।